इश्क करना है तो कर

इश्क करना है तो कर, देखता रह जाएगा,
उम्र ढलती जाएगी, देखता रह जाएगा।
काली जुल्फे कल तलक, खो देंगी अपनी चमक,
किसकी कसमें खाएगा, देखता रह जाएगा।
सोचना बेकार, इश्क मानता है दिल की बात,
दिल धड़कना छोड़ देगा, देखता रह जाएगा।
आजमाना, तड़पाना, आंसू बहाना, ना–नुकुर,
खूबसूरत शर्तें चार, देखता रह जाएगा।
जो मिले सुभान अल्लाह, हुश्न के चक्कर न काट,
हूर के नखरे हजार, देखता रह जाएगा।
तसलीम तो खाना–खराब, उसकी बात छोड़ दे,
बे आवाज तेरा प्यार, देखता रह जाएगा।

–तसलीम